6.83 करोड़ से चकाचक होगी बिक्रम की जर्जर सड़क

संवाददाता ▸ पटना

राजधानी के अनीसाबाद-औरंगाबाद-हरिहरगंज एनएच-98 की सूरत अब जल्द बदलनेवाली है. बिक्रम बाजार खंड में छह किलोमीटर जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 6.83 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है. यह जानकारी केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राम कृपाल ने दी. केंद्रीय ग्रामीण राज्य मंत्री ने बताया कि इस खंड में सड़क पर भारी वाहनों का दबाव बने रहने और सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं. उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण का मामला लंबित रहने की वजह से बिक्रम बाइपास का निर्माण रुका रहा. गौरतलब है कि प्रभात खबर ने इस जर्जर सड़क की खबर प्रमुखता

2 किमी तक गड्ढे में एनएच 98

प्रभात असर

से प्रकाशित की थी और जिम्मेदारों का ध्यान आकृष्ट कराया था. इसके लिए केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी को पत्र लिखा गया था. व्यक्तिगत रूप से भी मिल कर इसके संबंध में गुहार लगाई थी. इसके लिए केंद्रीय राज्य मंत्री ने पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र की जनता के तरफ से केंद्रीय मंत्री गडकरी को बधाई दी है. पूर्व विधायक अनिल शर्मा, राम जनम शर्मा, आशुतोष कुमार ने भी केंद्रीय मंत्री का आभार जताया है.

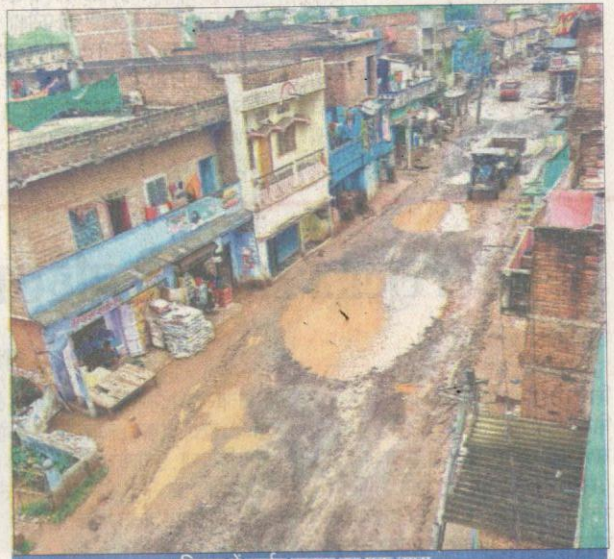
बिक्रम में जर्जर सड़क का एक दृश्य.

सगुना से बिहटा तक एक्सप्रेस वे निर्माण को लेकर चार माह में मिलेगी रिपोर्ट

पटना. सगुना मोड़ से बिहटा तक लगभग 21 किलोमीटर तक एक्सप्रेस वे निर्माण को लेकर फिजिबिलिटी तैयार करने के लिए कंसल्टेंट चयनित होंगे. कंसल्टेंट को चार माह में सड़क निर्माण संबंधी विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) देना होगा. इसमें सभी संभावनाओं की तलाश की जायेगी, ताकि कम-से-कम जमीन का अधिग्रहण करना पड़े. इसके लिए चयनित होनेवाले कंसल्टेंट सगुना मोड़ से बिहटा जानेवाले सभी रूटों का सर्वे कर आकलन करेंगे. कंसल्टेंट द्वारा तैयार प्रारंभिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट को पथ निर्माण विभाग के अधिकारी देखेंगे. इसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी. कंसल्टेंट चयन करने के लिए बिहार राज्य पथ विकास निगम ने दूसरी बार टेंडर निकाला है. पहले निकाले गये टेंडर में एकमात्र कंसल्टेंट सीई टेस्टिंग ने हिस्सा लिया था. इससे टेंडर को रद्द कर दिया गया था.

डीपीआर बनाने में कई रूटों पर होगा सर्वे : सगुना मोड़ से बिहटा तक बननेवाले एक्सप्रेस वे को लेकर डीपीआर में विभिन्न रूटों को लेकर सर्वे होगा. सगुना मोड़ से दानापुर स्टेशन होते हुए बिहटा तक वर्तमान में बनी सड़क पर एलिवेटेड रोड के निर्माण की संभावना है. इसमें जमीन अधिग्रहण करने का मामला कम होगा. दानापुर स्टेशन के पास रेलवे से जमीन लेनी पड़ सकती है.

दूसरी बार निकला टेंडर

सगुना मोड़ से बिहटा तक एक्सप्रेस वे निर्माण को लेकर फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए कंसल्टेंट के चयन को लेकर दूसरी बार टेंडर निकाला गया है. फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करनेवाली एजेंसी 17 अक्तूबर तक टेंडर में शामिल हो सकती है. बिहार राज्य पथ विकास निगम द्वारा निकाले गये टेंडर में एकमात्र कंसल्टेंट सीई टेस्टिंग ने हिस्सा लिया था. 20 जुलाई तक निकले टेंडर में एकल एजेंसी के भाग लेने से उसे रद्द कर दिया गया. आधिकारिक सूत्र ने बताया कि चयनित एजेंसी को चार माह में डीपीआर बनानी होगी.